

अग्रवाल महाविद्यालय में संपन्न हुई स्वास्थ्य जाँच व स्वास्थ्य वार्ता स्वस्थ सक्रीय जीवनशैली, संतुलित आहार और व्यायाम स्वास्थ्य के लिए सर्वश्रेष्ठ वरदान है और तनाव से बचाव और जागरूकता ही इसका उपाय है। यह सन्देश था- महाविद्यालय की युवा रेड क्रॉस व रेड रिबन क्लब की तीनों तीनों इकाइयों के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य सम्बन्धी वार्ता और जाँच शिविर का। इस वार्ता में डॉ० विक्रम दुआ जो एक न्यूरोसर्जन हैं ने बैकपेन के आम बीमारी बताया व कहा 45 वर्ष तक की उम्र में जाँब पर न जाने मुख्य कारण कमर दर्द है व कमर दर्द से निजात पाने के लिए 3-7 दिन के लिए कठोर कार्य छोड़कर बर्फ व ताप का सेक लेना चाहिए। इसके लिए तैराकी, तेज चाल व साइक्लिंग सर्वोत्तम एक्सरसाइज है व कोई एक खेल अवश्य खेलें।

डॉ० नवीन संचेती जो ओंकोसर्जन हैं ने कैंसर के प्रकार, कारणों व उपचारों के बारे में बताया। उन्होंने माना कि 2025 तक कुल मृत्यु के कारणों का एक तिहाई कारण कैंसर होगा व प्रतिवर्ष भारत में डेढ़ करोड़ नए रोगी इससे जुड़ रहे हैं और करीब 2200 लोग प्रतिदिन कैंसर के कारण दम तोड़ जाते हैं।

स्वास्थ्य जाँच शिविर में 125 शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रों की जाँच हुई। यह जाँच क्यू आर जी हेल्थ सिटी के डॉ० विक्रान्त सामान्य (फिजिशियन) व उनकी टीम द्वारा की गयी। इस शिविर में रक्त व शुगर जाँच, रक्तचाप की जाँच की गई।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता जी ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक वर्ग को स्वस्थ रखने के लिए हेल्थ टॉक व जाँच शिविर का आयोजन किया ताकि महाविद्यालय के हित में अपनी पूर्ण शक्ति से कार्य कर सकें व देश के विकास में कार्य कर सकें। प्राचार्य जी ने स्वयंसेवकों को अपने आशीर्वचनों से लाभान्वित किया व उनको स्वस्थ रहने के लिए सुझाव दिया। क्योंकि छात्र अगर स्वस्थ रहेंगे तभी अपने स्वर्णिम भविष्य के लिए शत प्रतिशत

शक्ति से कार्य कर सकेंगे। इस अवसर पर युवा रेड क्रॉस के संयोजक डॉ० जयपाल सिंह, श्री लवकेश व रेड रिबन क्लब की संयोजिका श्रीमती नेहा गोयल व संयोजक श्री देवेन्द्र व लगभग 200 स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के महानिदेशालय के आदेशानुसार एक अगस्त से 15 अगस्त तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों में पूरे समर्पण के साथ इस पखवाड़ा मनाया जा रहा है। एक अगस्त को एन० एस० एस० की पूरी योजनाओं व कार्यप्रणाली के बारे में सभी स्वयंसेवकों को परिचित कराया गया तथा साथ ही अगले चौदह दिन के लिए योजनाएं नियत की गयीं। स्वच्छता महत्त्व को लेकर एक सेमिनार भी आयोजित की गयी।